77	मृतह्यापमाः काशः सनाप्रप्राततः पर्गा १८६२ ॥	
78	श्रीपम्यमनुकारा अनुकारः साम्यं तुलापमा।	
79	कत्वापमान-	
80	मर्चा तु प्रतेर्मा यातना निधिः॥ १८६३॥	
81	क्या क्न्द्ः काया द्रपं विम्बं मानकृती ग्रपि।	
82	सूर्यो स्थूणायःप्रतिमा विविधानाम तिम् निर्मान	
83	क्रिणी स्याद्विर्णमयो ॥ १८६८ ॥	
84	प्रतिकूलं तु विलोममपसव्यमपष्टुरम्।	
85	वामं प्रसव्यं प्रतीपं प्रतिलोममपष्टु च ॥ १८६५ ॥	
86	वामं श्रीरे पङ्गं सव्य-	-0
87	॥ १०८१ ॥ मपसव्यं तु दिन्नणम्	T
88	म्रबाधाच्यञ्चलाद्दामान्ययन्त्रितमनर्गलम् ॥ १४६६ ॥	
89	निरङ्गेश	
90	स्पुरे स्पष्टं प्रकाशं प्रकरोत्वणे ।	
91	व्यक्तं ॥ ५०६३ ॥ जन्म निर्माणका ।	
92	वर्तुलं तु वृत्तं निस्तलं परिमाउलम् ॥ १८६७ ॥	51
93	बन्धुरं तूइतानतं अस्ति निकारिक विकारिक विकारिक	
94	स्थपुरं विषमोद्गतम्।	
95	म्रन्यदन्यतरिद्धनं वमेकिमितर्च तद् ॥ १४६८ ॥	
78. 79. Gleichheit (8 W.). — 80. 81. Bild (11 W.). — 82. Ein Bild		
aus Eisen (3 W.) 83. Ein Bild aus Gold (2 W.) 84. 85.		
Widrig (9 W.). — 86. Link (2 W.). — 87. Recht (2 W.). — 88.		
89. Frei (6 W.). — 90. 91. Klar, offenbar (6 W.). — 92. Rund		

(4 W.). — 93. Wellenförmig (2 W.). — 94. Uneben und hoch zu-